कक्षा ५

क्रिया-विशेषण

परिभाषा - क्रिया का स्थान ,काल, रीति तथा परिमाण से संबंधित विशेषताएँ बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं |

क्रियाविशेषण के भेद :

क्रियाविशेषण चार प्रकार के होते है -

१. कालवाचक २. स्थानवाचक ३. रीतिवाचक ४. परिमाणवाचक

१. कालवाचक क्रियाविशेषण -

जो शब्द क्रिया के होने का काल बताते हैं, उन्हें कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं |

जैसे- पिता जी प्रतिदिन योग करते हैं |

आज सूर्यग्रहण होगा |

उदहारण- आज, परसों, कल, सद्दा, तब, प्रतिदिन हमेशा आदि |

२. स्थानवाचक क्रियाविशेषण -

जो शब्द क्रिया के होने का स्थान बताते हैं, उन्हें स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं |

जैसे - लट्टू इधर-उधर घूम रहा है |

बच्चे अंदर बैठे हैं |

उदाहरण- बहार, सर्वत्र, चारों ओर , नीचे , ऊपर आदि |

३. रीतिवाचक क्रियाविशेषण -

क्रिया के होने का तरीका या रीति बताने वाले शब्दों को रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं |

जैसे- नाना जी अचानक आ गए |

हिरन तेज़ दौड़ता है |

उदहारण - धीरे-धीरे , हँसते-हँसते , शांतिपूर्वक , शीघ्रता से, अनायास , अचानक , जल्दी से आदि |

४. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण -

जिन शब्दों से क्रिया की मात्रा या परिमाण का बोध होता है ,उन्हें परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं |

जैसे- मिठाई कम खाओ |

खूब हँसना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है |

उदहारण- काफ़ी , पर्याप्त, जितना-उतना, पूरा, थोड़ा अधिक, बिलकुल आदि |